हिमाचल अभी अभी

Himachal ABHI ABHI

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

नई सोच नई खोज

प्रधान संपादक : डॉ. राजेश शर्मा

साप्ताहिक

प्रेरक : स्व. पंडित बालकृष्ण शर्मा

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 12 अंक 28 कांगड़ा। शनिवार, 12 सितंबर-18 सितंबर, 2026 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 27 भाद्रपद, विक्रमी संवत् 2083 कुल पृष्ठ 4 मूल्य ₹5 Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

"नेकी का दूसरा नाम पं. बालकृष्ण शर्मा द्वार"

कांगड़ा के अनमोल रत्न : पंडित बालकृष्ण शर्मा और उनकी सेवा-विरासत

■ राहुल कुमार

कांगड़ा की माटी की बात जब भी छिड़ती है, पंडित बालकृष्ण शर्मा की पावन स्मृति अपने आप दिलो-दिमाग में तैरने लगती है। पंडित बालकृष्ण शर्मा केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि अपने आप में एक जीवित संस्थान और कांगड़ा के अटूट स्वाभिमान थे। उनका पूरा जीवन कांगड़ा के विकास, उसकी परंपराओं और यहां के लोगों की सेवा में समर्पित रहा। नगरवासियों ने भी उन्हें जो असीम स्नेह और सम्मान दिया, उसी की बदौलत कांगड़ा उनके लिए महज एक शहर नहीं, बल्कि उनका अपना परिवार बन गया। आज भले ही वे सशरीर हमारे बीच नहीं हैं, पर कांगड़ा का हर कोना और यहां की हवा आज भी उनकी अमिट छापों की गवाही देती है। चूंकि वह शख्सियत ही ऐसी थी, आज उन्हीं के नाम पर कांगड़ा में एक द्वार का निर्माण किया गया है। जिसका नाम पं. बालकृष्ण शर्मा द्वार रखा गया है। इसका अनावरण इसी माह यानी सितंबर में होना तय हुआ है। इस द्वार के बनने से ऐसा माना जा रहा है कि जैसे इस धार्मिक नगरी को नेकी का एक रास्ता मिलने जा रहा है।

- **धार्मिक नगरी कांगड़ा को नेकी का एक रास्ता मिलने जा रहा**
- **द्वार का अनावरण इसी माह यानी सितंबर में होना तय हुआ**
- **पं. बालकृष्ण के सुपुत्र डॉ. राजेश शर्मा शिक्षा बोर्ड के हैं अध्यक्ष**

पंडित बालकृष्ण शर्मा के कार्यों और कृतित्वों को देखते हुए उन्हें युगपुरुष कहा जा सकता है। अपने जीवन में समाज सेवा के इतने कार्य उन्होंने किए कि लोग स्वयं ही उन्हें मसीहा के तौर पर देखने लगे थे। पंडित बालकृष्ण शर्मा का जन्म जिला ऊना के लौहारा गांव में पंडित जयराम शर्मा के यहां 22 जनवरी, 1944 को हुआ। सच मायनों में यह गांव उसी दिन गौरवान्वित हुआ, क्योंकि आगे चलकर प्रसिद्धि की पराकाष्ठा इसी बालक के हिस्से में आई। कालांतर में उनके पिता लौहारा गांव से कांगड़ा आए और यहां उन्होंने छोटे स्केल पर बर्तनों का व्यापार शुरू किया। विभिन्न प्रतिभाओं के पंडित बालकृष्ण शर्मा को अपनी पहचान बनाने में देर नहीं लगी। हालांकि शुरुआत भले ही जीरो ग्राउंड से हुई थी, पर देखते ही देखते पूरे कारोबार का परिदृश्य ही बदल गया। 9 सितंबर, 2007 को यह महान विभूति हमारे बीच नहीं रही, पर जो आदर्श पंडित बालकृष्ण शर्मा ने स्थापित किए वे मील का पत्थर साबित हुए हैं।

पंडित बालकृष्ण शर्मा के सुपुत्र डॉ. राजेश शर्मा हिमाचल के कांगड़ा में श्री बालाजी मल्टी स्पेशलिटी नाम से अस्पताल एवं नर्सिंग कॉलेज का संचालन करते हैं। इसके अलावा वह मल्टीपल बिजनेस भी हैंडल करते हैं। डॉ. राजेश शर्मा अपने पिता पंडित बालकृष्ण शर्मा के नाम पर एक ट्रस्ट का भी संचालन करते हैं। इसी तरह डॉ. राजेश शर्मा कई सामाजिक संस्थाओं का भी दायित्व निभा रहे हैं। डॉ. राजेश हिमाचल हॉकी के भी वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं। समाज सेवा से जुड़े डॉ. राजेश शर्मा हमेशा ही आर्थिक तौर पर कमजोर रहे लोगों की सेवा करते आए हैं। वर्तमान में उन्हें सरकार ने हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड का चेयरमैन बनाया है। डॉ. राजेश शर्मा ने शिक्षा बोर्ड में एक वर्ष के भीतर कई आयाम स्थापित किए हैं।

YouTube देखें वीडियो